मातम चीत्कार के साथ पैतृक गांव में नम आंखों से अंतिम विदाई

जिगर के टुकड़ों को देख कांपी रूह, रोते बिलखते रहे परिजन

जिम्मेदारों की लापरवाही से बने मौत के सेप्टिक टैंक ने दो जिंदगियां लील छीनी खुशियां

जबलपुर। गोहलपुर थाना अंतर्गत मनमोहन नगर सामुदायिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जिम्मेदारों की लापरवाही से खुले पड़े चेंबर ने दो मासूमों की जिंदगियां लील ली। रविवार शाम इसमें गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई थी। पीएम के बाद सोमवार को जब परिजनों को शव सौंपा गया गया तो माता-पिता शवों से लिपटकर रोते बिलखते रहे। मासूमों की लाशों को देख रूक कांप उठी थी। मंजर ऐसा था कि मां बेसुध थी तो पिता सदमे में थे। जिगर के टुकड़ों के सिर पर हाथ फेर माता पिता कलेजा फाड़ देने वाली चीत्कार की आवाज के साथ चीख पुकार मचाते रहे माता पिता की पीड़ा देख वहां मौजूद हर आंख नम थी। जब अंतिम संस्कार के लिए शवों को पैतृक गांव कुंडम देहरी खुर्द ले जाया गया तो माहौल और भी गमगीन हो गया। परिजनों कां यकीन ही नहीं हो रहा था हंसी खुशी घर से क्रिकेट खेलने निकले उनके बच्चे अब इस दुनिया में नहीं रहे। नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई।

यह हुई थी घटना

पुलिस के मुताबिक राजेश विश्वकर्मा 39 वर्ष निवासी त्रिमूर्तिनगर चौथी गली ड्रायवरी का काम करता है। रविवार शाम लगभग 5-30 बजे उसका बड़ा बेटा विनायक विश्वकर्मा 12 वर्ष एवं छोटा बेटा कान्हा विश्वकर्मा 10 वर्ष मोहल्ले के अन्य लड़कों के साथ घर के पीछे मैदान में क्रिकेट खेल रहा था खेलते खेलते बाल मनमोहन नगर अस्पताल की बाउण्ड्री बाल के अंदर चली गई तो दोनों लड़के गेंद ढूढ़ने अस्पताल की बाउण्ड्री बाल के अंदर कूद गये एवं गेद तलाश करते करते अस्पताल में बनी सेप्टिक के अंदर गिर गये सेप्टिक टेंक में पानी में डूबने से दोनों की मौत हो गई थी।

सीएम ने दिये जांच कार्रवाई के आदेश

सीएम मोहन यादव ने कहा मैंने कलेक्टर, एसपी और मंत्री राकेश सिंह को पूरे मामले की जांच करने और उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कलेक्टर और एसपी के माध्यम से प्रभावित परिवारों को 4-4 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है।

करोड़ों का ठेका, सुरक्षा-सफाई फिर भी व्यवस्था चरमराई : विनय

मनमोहन नगर के शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में दो बच्चों की मौत के बाद सोमवार को पहुंचे पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने जिम्मेदार अधिकारियों को दुर्दशा, लापरवाही, और अनियमितता बताई। साथ ही गंभीरता से जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि अस्पताल के पीछे चौतरफा कचरे का अंबार, आवासीय परिसर में बिजली के खुले तार है। श्री सक्सेना ने बताया कि सरकारी अस्पतालों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सफाई और सुरक्षा के नाम पर करोड़ों रुपयों का सरकारी ठेका निजी कंपनियों को दिया गया है लेकिन व्यवस्थाएं चरमराई हुई है। इस मौके पर पूर्व विधायक विनय सक्सेना के साथ कमल दीक्षित, रज्जू सराफ, संजय उपाध्याय, सुसीम धर, कपिल श्रीवास्तव, विनय डोलस, अजय रावत, बब्लू नामदेव, लखन चौबे, घनश्याम सोनी, श्रीमती सुशीला कनौजिया, सचिन रजक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौके पर मौजूद रहे।

कांग्रेसियों का प्रदर्शन, धरने के बाद स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी को हटाया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। धरना दिया जिसके बाद तत्काल प्रभाव से अस्पताल प्रभारी अंशुल शुक्ला को हटा दिया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा एवं पूर्व पार्षद जितिन राज ने बताया कि नगर निगम प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही की सजा विश्वकर्मा परिवार के दो हंसते खेलते बच्चों को भुगतनी पड़ी है। प्रदर्शन के दौरान पहुंचे एसडीएम तहसीलदार एवं जिला चिकित्सा अधिकारी से मांग की गई की तत्काल प्रभाव से अस्पताल प्रभारी अंशुल शुक्ला को निलंबित किया जाए। जिसके बाद प्रभारी को स्वास्थ्य केन्द्र से हटाने के साथ सीएमएचओ कार्यालय भेजा गया है। इस दौरान नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, अनुराग जैन गढ़वाल ब्रज यादव, मदन लारिया, अन्नू अतुल विश्वकर्मा, तिवारी, समेत अन्य उपस्थित रहे।

जब हादसा होता है तभी जागते हैं

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों का कहना रहा कि जब ऐसी कोई घटना हो जाती है उसके बाद ही प्रशासन क्यों जगाता है पहले से किसी भी रूप से तैयारी क्यों नहीं की जाती। प्रदर्शन के दौरान नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ नाती शर्मा ने कहा कि हीला हवाली में चार-चार लाख रुपए देकर क्या बच्चों या उन परिवार की खुशियों को वापस लाया जा सकता है।

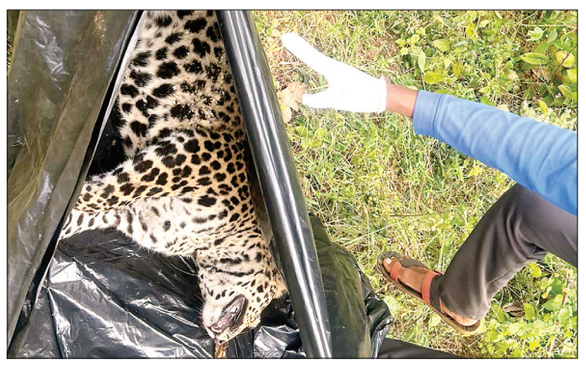

जल्द बेनकाब होगा तेंदुआ का शिकारी सीसी कैमरे के साथ डीवीआर जप्त

वन विभाग की कार्रवाई, जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजी गई डीवीआर

नवभारत,जबलपुर। सिहोरा के ग्राम घुघरा में स्थित मेसर्स निसर्ग इस्पात प्राईवेट लिमिटेड परिसर में मृत अवस्था में मिले तेंदुए की घटना की जांच कर रही वन विभाग की टीम ने सोमवार को वहां लगे सीसी कैमरे व डीवीआर को जब्त किया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस सीसी कैमरे की फुटेज से काफी कुछ सुराग मिल सकते हैं। सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर में कितना डाटा है और किस-किस के फुटेज हैं इसके बारे में सिहोरा रेंज के वन अधिकारी आकाश पुरी गोस्वामी ने नवभारत को बताया कि डीवीआर को भोपाल फॉरेंसिक लैब में चैक करने भेजा जा रहा है।

जांच रिपोर्ट सामने आते ही सारी बातें उजागर हो जाएंगीं। गौरतलब है कि 24 अक्टूबर की रात को निसर्ग इस्पात प्राईवेट लिमिटेड परिसर की झाड़ियों में मृत अवस्था में तेंदुआ मिला था जिसके 4 दांत और पैरों के कई नाखून गायब थे। घटना में वन विभाग ने तेंदुए के शिकार की पुष्टि की थी और पीएम रिपोर्ट में ये पता चला था कि तेंदुए की मौत करंट लगने की वजह से हुई थी। बहरहाल तेंदुए का शिकार किसने किया और ये तेंदुआ निसर्ग इस्पात प्राईवेट लिमिटेड परिसर में कैसे आया इसकी जांच वन विभाग के द्वारा की जा रही है।

नगर निगम आयुक्त विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट सहित हाजिर हों

एनजीटी के निर्देश, जबलपुर में नालों के कुप्रबंधन पर संज्ञान का मामला

जबलपुर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने जबलपुर में नालों के कुप्रबंधन पर स्वत: संज्ञान आधारित सुनवाई की। इसी के साथ नगर निगम जबलपुर के आयुक्त को आगामी सुवाई तिथि 26 अप्रैलए 2026 को सभी बिंदुओं पर विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट सहित व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने के निर्देश दे दिये है।एनजीटी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि निगम ने नालों के उद्देश्यए प्रवाह की मात्रा व गुणवत्ताए और अतिक्रमणों की पूरी जानकारी नहीं दी है। नालों के कुप्रबंधन व उनमें सीवेज बहाने को गंभीर स्थिति की चिंताजनक है। एनजीटी ने कहा कि ओमती और मोती नाला की चौड़ाई 80 फीट से घटाकर 40 फीट किए जाने और इस प्रक्रिया में 374 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद नालों में मलबा भरे हुआ है। कंक्रीट के खंभे और ढकाव बनने

से सफाई और जल प्रवाह बाधित होने की गंभीर शिकायत सामने आई है। सुनवाई के दौरान नगर निगम जबलपुर ने मदन महल क्षेत्र में अतिक्रमणों की बात स्वीकार की और हटाने की कार्रवाई शुरू करने का दावा किया। यह भी बताया गया कि राज्य लोक निर्माण विभाग ने पुल निर्माण हेतु नाले के मध्य खंभे बनाए हैं, जिनसे प्रवाह प्रभावित हुआ है। विभाग ने दावा किया कि अवरोध वाले हिस्से में बायपास ड्रेन बनाई गई है। निगम ने बताया कि नालों की सफाई मशीनों व मैनुअल विधियों से की जा रही है। प्राथमिक नालों की पूरी तरह यांत्रिक सफाई हुई है। द्वितीयक नाले मैनुअल व मशीन मिश्रित प्रणाली से साफ किए जा रहे हैं। तृतीयक नालों की सफाई कर्मियों द्वारा मैनुअल सफाई की जा रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि अधिकांश घर सीवरेज नेटवर्क से जुड़े नहीं हैं और सीवेज सीधे नालों में बह रहा है। जबलपुर के एसटीपी की कुल क्षमता 154.38 एमएलडी है, परंतु केवल 58.745 एमएलडी का ही उपयोग हो रहा है। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निरीक्षण में पाया गया कि फ्लाईओवर के खंभों से ओमती नाले का प्राकृतिक प्रवाह अवरुद्ध हुआ है। नालों की चौड़ाई कम कर पक्कीकरण किया गया है, जिससे वर्षा ऋतु में जलभराव की स्थिति बनती है। नालों की नियमित सफाई नहीं हो रही है।

जांच के बाद दर्ज हुई एफआईआर

पति ,सास की प्रताड़ना से महिला ने खाया था जहर

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत धोबीघाट रानीताल में रहने वाली एक महिला ने जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया था सूचना पर पहुंची पुलिस ने बयान लेने के बाद जांच पड़ताल की इसके बाद सोमवार को एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस के मुताबिक अंजली रैकवार पिता नीलू रैकवार 35 साल निवासी धोबीघाट रानीताल ने 24 अक्टूबर को घर पर जहरीली वस्तु के सेवन कर लिया था जिसे इलाज के लिए अक्कू रैकवार पिता नीलू रैकवार ने विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के बयान दर्ज किए। जिसमें उसने बताया कि पति सुनील कुमार रैकवार एवं सास राजकुमारी रैकवार के द्वारा आए दिन उसके साथ मारपीट की जाती है। घर से निकलने को धमकी देते है जिससे परेशान होकर उसने आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस ने जांच के बाद आरोपित सुनील कुमार रैकवार एवं राजकुमारी रैकवार के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

वृद्धा ने खाया जहर, मौत

पनागर थाना अंतर्गत चौधरी मोहल्ला में रहने वाली एक वृद्धा ने जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक शरद चौधरी 24 वर्ष निवासी चौधरी मोहल्ला पनागर ने सूचना दी कि उसकी बड़ी मां लौंग बाई चौधरी 55 वर्ष पनागर ने जहर खा लिया था जिन्हें उपचार के लिए शासकीय अस्पताल पनागर ले गये जहां से मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया था दौरान उपचार के बडी मॉ लौंग बाई की मौत हो गई।

न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु में बढ़ोतरी से इंकार

सर्वोच्च न्यायालय ने मांगा मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से जवाब

जबलपुर। मध्य प्रदेश में न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 61 नहीं किये जाने को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि मध्य प्रदेश में न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है। इसके बावजूद भी हाईकोर्ट के प्रशासनिक स्तर पर इसके लिए इंकार कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई तथा न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।मध्य प्रदेश न्यायाधीश संघ की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय ने 26 मई के आदेश में कहा था कि जिला न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष करने में कोई बाधा नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसके लिए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट दो माह का समय प्रदान किया था। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भी हाईकोर्ट के प्रशासनिक स्तर पर सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से इनकार कर दिया गया था।मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन के पदाधिकारी को मौखिक रूप से सूचित किया है कि सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने की वर्तमान में कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होने प्रशासनिक आदेश की प्रति उपलब्ध नहीं कराई। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि उच्च न्यायालय का आचरण अधीनस्थ न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों के प्रति सौतेले व्यवहार को दर्शाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के बाद नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।

शिक्षिका को शासन से मिला है टैबलेट, फिर भी ई-अटेंडेंस ऐप पर उठाया सवाल

डीईओ बोले - बाकी सभी शिक्षक ऐप से ही लगा रहे हैं हाजिरी, किसी को नहीं शिकायत

शासन ने फोन नहीं दिया है, मेरा निजी फोन है

ई-अटेंडेंस ऐप पर डाउनलोड करने शिक्षिका ने किया इंकार

साइबर सुरक्षा के अधिकार का उल्लंघनः शिक्षिका

चार शिक्षिकाओं को नोटिस, एक ने उठाया मुद्दा

नवभारत, जबलपुर। जिले के महाराजपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला की शिक्षिका ज्योति पांडे द्वारा ई-अटेंडेंस ऐप डाउनलोड करने से इंकार करने के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने बताया कि शिक्षिका को शासन की ओर से 10,000 रुपए की राशि टैबलेट के लिए मिली है, जिससे शिक्षिका ने टैबलेट लिया भी है, वे उसमें सिम लगाकर ई अटेंडेंस एप डाउनलोड करके हाजिरी लगा सकती है, बावजूद उसके वह निजी फोन का हवाला देते हुए, इस पर सवाल उठा रही है।

कोई शिकायत नहीं आई, स्वयं लगा रहे उपस्थिति

डीईओ ने कहा कि विभाग द्वारा संचालित ई-अटेंडेंस ऐप को लेकर अब तक किसी भी शिक्षक ने कोई शिकायत नहीं की है। जिले के सभी शिक्षक एवं वह स्वयं भी इसी ऐप के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं और शासन के निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

ये है पूरा मामला

उल्लेखनीय है कि ई अटेंडेंस एप से उपस्थिति दर्ज ना करने के मामले में महाराजपुर स्कूल की शिक्षिका ज्योति पांडे को प्राचार्य द्वारा नोटिस भेजा गया था, जिसके लिखित जवाब में शिक्षिका ने कहा है कि उनका मोबाइल फोन निजी है और उसमें ऐप इंस्टॉल करने से उनकी डिजिटल निजता और साइबर सुरक्षा को खतरा हो सकता है। उन्होंने शासन से मांग की है कि यदि ऐप का उपयोग अनिवार्य है, तो शिक्षकों को इसके लिए अलग मोबाइल और सिम कार्ड उपलब्ध कराए जाएं।

स्पेशल ट्रेन की अवधि बढ़ाई गई

जबलपुर। रेल प्रशासन त्यौहारों पर यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु सदैव प्रयासरत रहता है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल ने त्योहारी सीजन के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए चल रही रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के मध्य तीन-तीन ट्रिप बढ़ाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन अधिसूचित दिनाँक 01 नवम्बर को बढ़ाते हुए अब 11 नवम्बर तक संचालित रहेगी। गाड़ी सांख्य 01668 दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन अधिसूचित दिनाँक 02 नवम्बर को बढ़ाते हुए अब 12 नवम्बर तक संचालित रहेगी।

रायपुर इण्टरसिटी में एसी कोच की वृद्धि

रेल प्रशासन द्वारा यात्री सुविधा एवं मांग को देखते हुए अतिरिक्त कोच लगाए जाते है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु जबलपुर-रायपुर इण्टरसिटी एक्सप्रेस में एक वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का स्थायी रूप से लगाया गया है। गाड़ी संख्या 11702 जबलपुर-रायपुर इण्टरसिटी एक्सप्रेस में 27 अक्टूबर से प्रारम्भ वही गाड़ी संख्या 11701 रायपुर-जबलपुर इण्टरसिटी एक्सप्रेस में 27 अक्टूबर से प्रारम्भ इसमें अतिरिक्त कोच के बाद स्थाई कोच संरचना उपरोक्त दोनों ट्रेनों में 1 थर्ड एसी, 1 एसी चेयरकार, 4 द्वितीय चेयरकार, 8 सामान्य श्रेणी एवं 1 जनरेटर कार, 1 एसएलआरडी सहित कुल 16 कोच होंगें।

गार्ड ने ड्राइवर को मारी बंदूक

जबलपुर। विजयनगर थाना अंतर्गत मुस्कान प्लाजा के पास गार्ड ने ड्राइवर पर बंदूक से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सोमवार शाम अजय तिवारी 50 वर्ष निवासी जयप्रकाश नगर अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ड्रायविंग का काम करता है। दोपहर लगभग 3-30 बजे गार्ड बेनी रजक एवं मालिक ब्रजेश मिश्रा दोनों मुस्कान प्लाजा के पास खड़े होकर समझा रहे थे वह भी उनके पास खड़ा था, पुरानी बात को लेकर बेनी रजक उससे विवाद करने लगा उसने गालियां देने से मना किया तो बंदूक की बट से हमलाकर सिर में चोट पहुंचा दी और जान से मारने की धमकी देत हुये भाग गया।

1.60 लाख हड़पे, महिला का मुंह दबाया, धमकाया

जबलपुर। खितौला थाना अंतर्गत जयभवानी कॉलोनी में रहने वाली एक महिला ने पड़ोसी को 1 लाख 60 हजार रूपए उधार दिए जिसे वापिस नहीं करते उसने हड़प लिए जब महिला ने वापिस मांगे तो टालमटोल करता रहा जिसके चलते पीड़िता सीधे उसके घर पहुंच गई तो बदमाश ने उसका मुंह दबाने के साथ उसके साथ मारपीट कर धमकाते हुए चला गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक शुभी शर्मा निवासी वार्ड नं. 13 जयभवानी कॉलोनी खितौला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एलआईसी दमोह में असिस्टेंट के पद पर कार्यरत् है। ऋषभ दुबे उसके मोहल्ले में रहता है जिसे उसने दिसंबर 2024 में उधारी के रुप में चैक के माध्यम से 1 लाख 60 हजार रूपये दिये थे। जिससे कई बार अपने उधारी के पैसे मांगे लेकिन वह टाल मटोल करता रहा। रविवार को अपने घर से ऋषभ उर्फ अंकित दुबे के यहां पैसा मांगने के लिये गयी घर से उसकी मां बाहर आयी और बतायी कि ऋषभ उर्फ अंकित दुबे घर पर नही है और उसकी मां ने ऋषभ उर्फ अंकित दुबे को फोन लगाया और बतायी कि शुभि पैसा मांगने के लिये घर पर आयी है ऋषभ उर्फ अंकित दुबे की मां ने बताया कि ऋषभ को आने में करीब डेढ घंटा लगेगा ऋषभ कई बार इसी प्रकार की बात करके पैसे देने में आना कानी करता रहा है। शाम करीब 6:45 बजे आया और उसका मुंह दबाया और धमकाते हुए मारपीट करने लगा। जिससे उसे चोटें आ गई। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर चला गया।

आवश्यकता है केयर टेकर की

आवश्यकता है भोपाल में लकवा के मरीज की देखभाल के लिए एक फुल टाइम केयरटेकर की, जो मरीज की संपूर्ण देखभाल कर सके.

कम से कम दो वर्ष के अनुभवी व्यक्ति को प्राथमिकता.

12 घंटे की ड्यूटी, वेतन- 15000/-

संपर्क करें

9826461065

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रीती द्वारा प्रेस कॉम्प्लेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharat.418@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RIN Reg No.1537/57